| नामांक | | | | Roll No. | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

No. of Questions — 9
No. of Printed Pages — 3

# SS—26–1— Raj. Sah. I

## उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2011

**वैकल्पिक वर्ग I- कला** ( OPTIONAL GROUP I — HUMANITIES )

**राजस्थानी साहित्य — प्रथम पत्र**

**( RAJASTHANI SAHITYA — First Paper )**

**समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे**

**पूर्णांक : 60**

**परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :**

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं । प्रश्न संख्या **1** के तीनों भागों में आंतरिक विकल्प हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंक वाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. लेखन में शुद्धता और वैज्ञानिक विवेचन को अधिक अंक दिये जायेंगे ।
6. वर्तनी, व्याकरण और सुलेख का अतिशय ध्यान रखिए तथा युक्तिसंगत उत्तर लिखिए ।
7. उत्तर हिन्दी और राजस्थानी उभय भाषाओं में अंगीकार्य होंगे ।
8. पूर्णांक और प्रश्नांक यथास्थान अंकित हैं ।
9. उत्तर हेतु निर्धारित शब्द सीमा —
   (i) प्र० सं० **2** से **6** तक — उत्तर लगभग **100** शब्द
   (ii) प्र० सं० **7** — उत्तर लगभग **200** शब्द
   (iii) प्र० सं० **8** — स्वविवेक पर आधारित
   (iv) प्र० सं० **9** — निबंध — अधिकतम **300** शब्द ।

1. नीचै लिख्या गद्यावतरणां री सप्रसंग व्याख्या करौ —

(क) मैं तौ मांगणौ हुतौ सू मांगियौ, थे थांहरो वचन राखौ तो कह्यौ — एक कौल हूं मांगूं । कह्यौ मांगौ । कह्यौ घर-घर भीख मतां मांगे, एक ठाकुर कन्हा सवा-सवा क्रोड़ रा सात जरंदा लै आवै तौ तोनूं वरूं इतरा गहणा ल्याव, छै मास री अवध, उपरांति वार लायी तौ ते कहियौ न मैं सुणियो, मैं कहियौ न तैं सुणियौ, वाचा अवाचा छै । $4\frac{1}{2}$

**अथवा**

बारै बजी रात रौ हेलो ई कींनै मारै अर बेगौ-सो सुणै ई कुण ? सरधा नीं ही तो ई धूजती-टसकती बा बारै आई कियां ई । सोचै ही दवाई रै नांव घर में तो कांदै रो छूतको ई नीं, पांच च्यार आलू हुवैला का धोबौ डेढ़ धोबौ आटो, किसी कारी लागै बां सूं ?

(ख) संस्थावां में घंटियां बाजै, जाणै सुरसती मिन्दर री घंटियां बाजै, टाबर घूमै रंग बिरंगा, जाणै अठै देवी-देवता रम्मै । आ तो सुरग नगरी सी बणगी जठै खड्यां होवां तो भी जी सोरौ होवै । टाबर भणै, प्रार्थना बोलै, मारणी बोलै जाणै धीमै-धीमै धरती पर सुरग उतरण लाग रह्यौ है । $4\frac{1}{2}$

**अथवा**

बेटी रा बाप तो आज तक लुटीजता ई आया है । इणमें नवी बात कांई है ? सित्यानास में साढ़ी सित्यानास ई सही । अैड़ी हंसी-खुसी रै मौका माथै किणी री हंसी खुशी री पूरणाहुती ई सही । पण इण काम नै तौ ज्यूं व्है ज्यूं निपटावणौ इज पड़ैला ..... । ओ अबै म्हारी इज्जत रौ सवाल बणग्यौ है । जठै इज्जत है उठै सब कुछ ।

(ग) अेक अजाणी अदीठी हस्ती है जिकी आपां लोगां री हस्ती री खिलाफत में है, जिकी आपां रै लीक माथै चालतै जीवण मांय कुचमादयां करै है, आडी पसरै है, वा सगती कुणसी है ! बहोत दिनां री घोटाई-मथाई रै पछै म्है समझ्यो हूं — वो है ईश्वर, कुदरत अर आतम सगती ! पण म्है उणनै ईश्वर ईज कैबूंला । 4

**अथवा**

पीड़ तनै अेकलै नै हुवै है ! जिकी बासतै तैं लगाई है उणमें सगळा सीज रह्या है ।

..... तूं सूरजड़ी नै जोव, जिकी लुगाई थारी जोगण ही ..... थारै नांव सूं हरी करस होवती .... मोती लुटावती ..... बा कित्ती सुलगती हुवैली ? जिकौ भाई लछमण री तरियां तनै पूजतो .... वो कित्तौ दुखड़ै में कळप रैयो है ।

2. 'व़ात सायणी चारणी री' पाठ रै आधार माथै सयणी रै चरित्र री विसेषतावां नै समझावौ । $4\frac{1}{2}$

3. 'सूरज री मौत' कहाणी में गरीब वर्ग री संवेदना नै लेखक किण भांत सामीं लायौ है ? खुलासौ करौ । $4\frac{1}{2}$

4. 'मनजी मांचा तोड़' रेखाचित्र नै आधार बणावतां मनजी रै जीवण री विसेषतावां नै आपरै सबदां मांय लिखौ । $4\frac{1}{2}$

5. 'सांच बोल्यां कियां पार पड़ै' व्यंग्य में लिखारौ सांच रौ प्रयोग किण भांत करावणी चावै ? समझा'र लिखौ । $4\frac{1}{2}$

6. 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास रै किणीं अेक पात्र रै चरित्र री विसेषतावां नै उदाहरण साथै मांडौ । 4

7. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य री खास-खास विधावां रौ परिचय लिखौ । 8

8. नीचै लिख्या गद्यांस नै पढ़'र दियौड़ा सवालां रा उत्तर लिखौ :

''धरती माथै जलम लेवणौ उणरो हीज सार्थक है, जिको इण माथै आपरा मंगळ-पगलिया मेल'र इणनै उजळी करै अर आपरै सतकरम अर भलै व्यवहार सूं मानखै रै आगलै-पाछलै किणी कळंक री काळस धोय'र आपरै ज्ञान री जोत सूं उणरी हियै री हांडी नै सैचंदण करै । का धरती माथै जलम लेवणौ उणरौ सार्थक है, जिकौ आपरै जीवण रै एक-एक सांस रो मिजान राखतां-थकां परमार्थ में आपरी आखी जिन्दगी रो अखण्ड असमेध धुधावतो राखै ।''

(i) इण गद्यांस नै ओपतौ सीर्सक देवौ । 1

(ii) धरती माथै किणरौ जलम सार्थक है ? 2

(iii) इण अवतरण रौ सार अेक-तिहाई सबदां में लिखौ । 2

9. नीचै लिख्या विसयां मांय सूं किणीं अेक विसय माथै राजस्थानी भासा में निबन्ध लिखौ : 12

(i) राजस्थान रौ पर्व: गणगौर

(ii) राजस्थान रा लोक देवता

(iii) वो दिन कद भूल सकूं !

(iv) पर्यावरण संरक्षण सारू आपणा दायित्व ।